



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-22102021-230639
CG-DL-E-22102021-230639

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 492]
No. 492]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 22, 2021/आश्विन 30, 1943
NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 22, 2021/ASVINA 30, 1943

भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान

(संसद् के एक अधिनियम द्वारा गठित)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर, 2021

(चार्टर्ड अकाउंटेंट्स)

सं. पीपीआर/पी/89/17/डीडी/77/टीएमसी/आईएनएफ/17/डीसी/1154/19.—चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (वृत्तिक और अन्य कदाचार के अन्वेषणों और मामलों के संचालन की प्रक्रिया) नियम, 2007 के नियम 18(17) और 19(1) के साथ पठित, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार अनुशासन समिति ने, **सीए. प्रेम कुमार पी.के. (सदस्यता संख्या 028270), परसू भवनम, 33, चोक्कानाथपुरम मेन रोड, आईटी कार्यालय के पास, मदुरै 625 014** को, पूर्वोक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची के भाग II के खंड (1) के अर्थान्तर्गत वृत्तिक कदाचार का दोषी पाया है और इसके परिणामस्वरूप दिशानिर्देशों में अनुबंधित संख्या से अधिक की गई प्रत्येक संपरीक्षा के प्रत्येक मामले के लिए 1,000/- रुपए का जुर्माना अधिरोपित किया है, जिसका कुल योग केवल 2,84,000/- रुपए (दो लाख चौरासी हजार रुपए) है, जो उक्त आदेश की प्राप्ति की तारीख से 3 मास के भीतर देय था। अनुशासन समिति ने यह और आदेश किया था कि यदि प्रत्यर्थी **सीए. प्रेम कुमार पी.के. (सदस्यता संख्या 028270)** अनुबंधित समय, अर्थात् 3 मास के भीतर जुर्माने का संदाय करने में असफल रहता है तो उसके नाम को 01 (एक) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। चूंकि, प्रत्यर्थी यथा-अनुबंधित अधिरोपित जुर्माने को जमा करने में असफल रहा है, इसलिए अनुशासन समिति के उपरोक्त आदेश के अनुसरण में और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के साथ पठित पूर्वोक्त अधिनियम की

धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह अधिसूचित किया जाता है कि **सीए. प्रेम कुमार पी.के. (सदस्यता संख्या 028270)** का नाम, 22 अक्तूबर, 2021 से 01 (एक) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

सीए. (डॉ.) जय कुमार बत्रा, कार्यवाहक सचिव

[विज्ञापन-III/4/असा./356/2021-22]

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

(Set up by an Act of Parliament)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd October, 2021

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. PPR/P/89/17/DD/77/TAMC/INF/17/DC/1154/19.—In terms of the provisions of Section 21B(3) of the Chartered Accountants Act, 1949 read with Rules 18(17) and 19(1) of the Chartered Accountants (Procedure of Investigations of Professional and Other Misconduct and Conduct of Cases) Rules, 2007, the Disciplinary Committee has held **CA. Prem Kumar P K (Membership No. 028270), Parasu Bhavnam, 33, Chokkanathapuram Main Road, Near IT Office, MADURAI 625 014.,** guilty of Professional Misconduct falling within the meaning of Clause (1) of Part II of Second Schedule to the aforesaid Act and consequently ordered for imposing a fine of Rs. 1000/- for each case of audit conducted in excess of the number stipulated in the Guidelines which aggregates to Rs. 2,84,000/- (Rupees Two Lakh Eighty Four Thousand) only which was payable within 3 months from the date of receipt of the said order. The Disciplinary Committee further ordered that if the Respondent, **CA. Prem Kumar P K (Membership No. 028270),** fails to deposit the fine within the stipulated time i.e. 3 months, his name should be removed from the Register of Members for a period of 01(One) month. Since, the Respondent failed to deposit the imposed fine as stipulated, in pursuance of the aforesaid order of the Disciplinary Committee and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, read with Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that the name of said **CA. Prem Kumar P K (Membership No. 028270),** shall stand removed from the Register of Members for a period of 01(One) month with effect from 22nd October, 2021.

CA. (Dr.) JAI KUMAR BATRA, Acting Secy.

[ADVT.-III/4/Exty./356/2021-22]